Seat No. : _____

AE-104

April-2015

B.A., Sem.-VI

CC-313 : Hindi

आधुनिक हिन्दी पद्य का इतिहास (1950 तक)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

1. भारतेन्दुयुगीन प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए । **14**

अथवा

बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' का परिचय देते हुए उनका कवि रूप प्रस्तुत कीजिए ।

2. द्विवेदीयुगीन काव्य-प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए । **14**

अथवा

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए ।

3. 'निरालाजी' का परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **14**

अथवा

छायावाद की प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए ।

4. सुमित्रानंदन पंत रचित 'युगान्त' का परिचय दीजिए । **14**

अथवा

प्रगतिवादी काव्य-प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए ।

5. सूचनानुसार कीजिए :

(अ) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : **7**

(1) मुकरियों से _____ की कसौटी भी होती है । (बुद्धि, आत्मा, मन)

(2) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जन्म _____ परिवार में हुआ था । (वैश्य, ब्राह्मण, क्षत्रिय)

(3) 'भारत-भारती' में भारतीय _____ की परिस्थितियों का वर्णन है । (किसान, मजदूर, नेता)

(4) निरालाजी _____ कवि हैं । (प्रगतिवादी, छायावादी, प्रयोगवादी)

(5) कवि शिवमंगलसिंह का उपनाम _____ है । (राणे, प्रताप, सुमन)

(6) 'कामायनी' का प्रकाशन वर्ष _____ है । (1940, 1935, 1938)

(7) पंतजी का बचपन का नाम _____ था । (अभिनव दत्त, कुमार दत्त, गोसाई दत्त)

(ब) निम्नलिखित विधान सही हैं या गलत बताइए : **7**

(1) भारतेन्दु ने ब्रज और खड़ी बोली दोनों का प्रयोग किया है । [ ]

(2) 'प्रेमघन' नृत्य कला के आचार्य थे । [ ]

(3) मैथिलीशरण गुप्त राष्ट्रकवि हैं । [ ]

(4) 'कामायनी' की कथावस्तु आधुनिक है । [ ]

(5) निराला की 'राम की शक्ति पूजा' लंबी कविता है । [ ]

(6) प्रगतिवादी कवियों की भाषा का आदर्श गुण-संप्रेषणीयता है । [ ]

(7) मार्क्सवाद का साहित्यिक रूपांतर ही प्रगतिवाद है । [ ]

———————